

दि. 30/10/07

प्रबंधक महोदय, माणक टी. वी.
6-ए, फ्रेण्ड्स कॉलोनी, तातकोठी,
जयपुर ।

विषय : "माटी रो मल्ल" दूरदर्शन कार्यक्रम में हुई वैधानिक त्रुटि के क्रम में

महोदय,

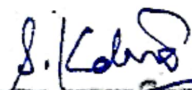
निवेदन है कि आज दि. 24/10/07 को सांय जयपुर दूरदर्शन से प्रसारित आपके कार्यक्रम "माटी रो मल्ल" में श्रीमती लक्ष्मी बाईपाल का साक्षात्कार दिखाने समय श्रमणीय विधायक का नाम कैप्शन में दो बार दिखाने हुए लिखा गया - "श्रीमती लक्ष्मी बाईपाल, विधायिका, दूसरी विधानसभा क्षेत्र"

विधायक को विधायिका कहना भारी त्रुटि है क्योंकि एम. स्ल. ए. चाहे महिला हो या मुख्य वृद्ध हिन्दी में विधायक ही कहलाता है । विधायिका का तात्पर्य व्यवस्थापिका अर्थात् "लेजिस्लेचर" से है जो कानून बनाती है । केन्द्र में हमारी संसद तथा राज्य में विधानसभा ही विधायिका हैं ।

आशा है ऐसी वैधानिक त्रुटि भविष्य में नहीं होगी ।

सादर

भवदीय


॥ सुन्दर कटारिया ॥